"Role of Women in Freedom Struggle"

Department of Medieval and Modern History, Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur

Date: 18th November 2024

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के तत्वावधान में 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत 'भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका' विषय पर विशेष व्याख्यान एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन, के बाद विभागाध्यक्ष मनोज तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। प्रोफेसर तिवारी ने उत्तर प्रदेश सरकार की पहल "मिशन शक्ति" के फेज-5 के विषय में जानकारी दी।

मुख्य वक्ता के रूप में विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर, प्रोफेसर निधि चतुर्वेदी का विशेष व्याख्यान हुआ। अपने व्याख्यान में प्रोफेसर निधि ने वर्तमान समय में ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता पर बात की, साथ ही प्राचीन काल में महिलाओं की उन्नत एवं सम्मानजनक स्थिति की तुलना में वर्तमान में उदारवाद की दौड़ में खोती हुई भारतीय संस्कृति का भी उल्लेख किया। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका को 1857 की क्रांति के पूर्व, 1857 की क्रांति के दौरान तथा 1857 के पश्चात् गाँधीयुग, ऐसे तीन कालखंड में बाँट कर उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने क्रांतिकारी आन्दोलन में महिलाओं की सशक्त भूमिका को इंगित किया तथा साथ ही ये भी बताया कि इस आन्दोलन में महिलाओं ने गुप्तचरों के रूप में भी कार्य किया और भारत की स्वाधीनता में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हिमांशु चतुर्वेदी ने अपने व्याख्यान में भारतीय संस्कृति में महिलाओ की पूज्यनीय स्थिति को वर्णित करते हुए कहा कि हम देश को भी माता कह कर सम्बोधित करते हैं।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रोफेसर राव ने ऋग्वेद का उल्लेख करते हुए बताया कि उसमें वर्णित 'पत्नी' शब्द का अर्थ प्रोटेक्टर अथवा रक्षक के रूप में है।

कार्यक्रम की श्रृंखला में विषय से सम्बन्धित प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें विभाग के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता- कला संकाय प्रोफेसर राजवंत राव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर हिमांशु चतुर्वेदी की उपस्थिति रही। उक्त अवसर पर डॉ. श्वेता ने कार्यक्रम का संचालन तथा डॉ. सुनीता पासवान ने आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर अनेक शिक्षक उपस्थित रहे तथा बड़ी संख्या में शोधार्थियों/विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर ज्ञान अर्जित किया।

DEPARTMENT OF HISTORY
DDU GORAKHPUR UNIVERSITY, GORAKHPUR
Celebration
Mission Shakti Phase-5
(The Initiative of Uttar Pradesh Government)
One Day Awareness Program
on
Role of Women in Freedom Struggle
Vice-Chancellor
Prof. Poonam Tandon
मिशन शक्ति फेज-5
भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका
नारी शक्ति
Mission Shakti Phase-5
Galaxy A35 5G

DEPARTMENT OF HISTORY
DDU GORAKHPUR UNIVERSITY, GORAKHPUR
Celebration
Mission Shakti Phase-5
(The Initiative of Uttar Pradesh Government)
One Day Awareness Program
on
Role of Women in Freedom Struggle
Vice-Chancellor
Prof. Poonam Tandon
मिशन शक्ति फेज-5
भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका
नारी शक्ति
Mission Shakti Phase-5
Galaxy A35 5G

Date- 18.11.2024, Time-11:30 AM
Venue: Department of History
Vice-Chancellor
Prof. Poonam Tandon
भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में
महिलाओं की भूमिका
मिशन
शक्ति
फेज-5
नारी
Mission
Shakti
Phase-5
GPS Map Camera
Gorakhpur, Uttar Pradesh, India
गोरखपुर विश्वविद्यालय हेलीपैड, Department of Psychology, Paidleganj, Gorakhpur, Uttar Pradesh 273009, India
Lat 26.749275°
Long 83.385783°
18/11/24 12:10 PM GMT +05:30
Google

DEPARTMENT OF HISTORY
DDU GORAKHPUR UNIVERSITY, GORAKHPUR
Celebration
Mission Shakti Phase-5
(The Initiative of Uttar Pradesh Government)
One Day Awareness Program
on
Role Of Women in Freedom Struggle
Date- 18.11.2024, Time-11:30 AM
Venue: Department of History
Vice-Chancellor
Prof. Poonam Tandon
भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में
महिलाओं की भूमिका
मिशन
शक्ति
फेज-5
नारी
Mission
Shakti
Phase-5
Galaxy A35 5G